एसवीएसयू में फ्यूचर टेक-2025 आयोजित

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने किया गुरुग्राम ट्रांजिट कैंपस में शुभारम्भ, इंडस्ट्री विशेषज्ञों ने किया विद्यार्थियों का मार्गदर्शन।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि कौशल आधारित भविष्य का निर्माण तभी संभव है, जब अकादमिक और उद्योग के बीच मजबूत सेतु स्थापित हो। विद्यार्थी उद्योग की वास्तविक चुनौतियों को समझें और फिर उसी के अनुरूप कार्य करें। वह विश्वविद्यालय के गुरुग्राम स्थित ट्रांजिट ऑफिस में फ्यूचर टेक-2025 का उद्घाटन करते हुए मुख्यातिथि के रूप में बोल रहे थे। कंप्यूटर साइंस एवं आईटी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उद्योग जगत की कई बड़ी विभूतियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने एआई और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में वर्तमान परिदृश्य, रोजगार की संभावनाओं और आने वाले तकनीकी अवसरों पर अपने विचार साझा किए।

कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि उद्योग एवं कॉरपोरेट के तत्वावधान में विद्यार्थियों को जॉब रेडी बनाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से उद्योग की आवश्यकताओं को चिन्हित कर उनके अनुसार खुद से तैयार करने का आह्वान किया। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि फ्यूचर टेक-2025 के माध्यम से विद्यार्थी उद्योग एवं कॉर्पोरेट जगत की हस्तियों के अनुभव से अवश्य ही लाभान्वित होंगे। इससे विद्यार्थियों को नई तकनीकों की वास्तविक मांग और अपेक्षाओं को समझने का अवसर मिलेगा।

वेलोटेक के सीईओ डॉ. प्रतीक थापर, एचसीएल साइबर सिक्योरिटी के एसोसिएट कंसल्टेंट मेहर चंद और विलयेर के संस्थापक एवं सीईओ राहुल श्योकंद ने साइबर सुरक्षा, जेनेरेटिव एआई तथा उद्योग प्रक्रियाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बदलती भूमिका पर अपने वक्तव्य दिए और विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। दूसरे सत्र में यश कौशिक, डाटा एनालिस्ट कौस्तुभ गोयल, इंनोविड के सीईओ डॉ. कपिल गौड़, डेलॉइटे से एक्सपर्ट डॉ. कमलेश व्यास, गूगल की ओर से आर्यन तथा एसएनपी ग्लोबल की ओर से शैलेश कुमार ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों को भविष्य की उभरती तकनीकों से भी परिचित करवाया गया। पैनल चर्चा और इंटर्नशिप इंटरव्यू के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया गया। ट्रांजिट कैंपस की निदेशक प्रोफेसर सुजाता शाही ने इंडस्ट्री के साथ इस समन्वय की सराहना की।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ऊषा बत्रा ने सभी अतिथियों का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर इरा की निदेशक चंचल भारद्वाज, इंडस्ट्री इंटीग्रेशन के उप निदेशक अमीष अमेय, कुंदन, दीपक सिंह और अनु चौधरी सहित कई अन्य शिक्षक, अधिकारी और विद्यार्थी उपस्थित थे।